

# चाची की चूत की चुदाई की कहानी करवा चौथ पर

“मैं अपनी चाची की हसीन जवानी पर बहुत फ़िदा था  
तो पढ़ें चाची की चूत की चुदाई की कहानी ! चाची की  
शादी को दो साल हो चुके हैं, चाचा बाहर रहते हैं।

”

...

Story By: Ravi Rock (rockr9840)

Posted: शनिवार, अप्रैल 29th, 2017

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [चाची की चूत की चुदाई की कहानी करवा चौथ पर](#)

# चाची की चूत की चुदाई की कहानी करवा चौथ पर

यह चाची की चूत की चुदाई की कहानी मेरी पहली सेक्स स्टोरी है, कोई गलती लगे, तो माफ कीजिएगा।

मेरा नाम रवि शर्मा है.. मैं वाराणसी में रहता हूँ, मेरी उम्र 20 साल की है। मेरी चाची की उम्र 26 साल है। उनका फिगर 34-30-34 की है। उनकी शादी को दो साल हो चुके हैं, वह दिखने में गोरी हैं, उनके होंठ बिल्कुल चैरी की तरह हैं कि ऐसा लगता है कि अभी ही खा जाऊँ। चाची की चूचियां तो कमाल की हैं.. एकदम कसी हुईं।

चूंक मैं अपनी चाची की हसीन जवानी पर बहुत फ़िदा था और उनको चोदना चाहता था, लेकिन मौका नहीं मिल रहा था।

जब भी मैं टीवी देखता था तो उसी वक्त चाची पौछा लगाने आ जाती थीं। चाची के गहरे गले वाले ब्लाउज से उनकी थिरकती चुची और पेट की गहरी गोल नाभि देख कर मेरा लंड खड़ा हो जाता था।

एक दिन वो नहा कर कमरे में कपड़े बदल रही थीं। मैं छुप कर देखने लगा, उन्होंने पहले अपने बदन से तौलिया हटाया और क्रीम लेकर अपने हाथ की बगलों में लगाई। उनकी बगलों के बाल बहुत छोटे-छोटे थे।

उनका नंगा शरीर देख कर मेरे लंड में खलबली मचने लगी थी। अब उन्होंने कप वाली ब्रा पहनी.. फिर पेंटी पहनी और तभी उनको लगा कि कोई देख रहा है तो उन्होंने जल्दी से



दरवाजे की झिरी से मुझे झांकते हुए देख लिया। मैं जल्दी से वहाँ से निकल भागा.. लेकिन उनको पता चल चुका था कि मैं वहाँ था।

फिर एक दिन चाची सब्जी काट रही थीं.. उस दिन वो गहरे गले वाला कुरता पहने हुए थीं। मैं वहीं बैठा पेपर पढ़ रहा था। मैंने देखा कि उनकी कांख के कपड़े पसीने से भीगे और गले से पसीना चुची तक टपक रहा था। मेरा ध्यान उनकी चुची पर ही गड़ा था।

तभी अचानक चाची मुझे देखने लगीं, तो मैं वहाँ से उठा और बाथरूम में जाकर मैंने उनके नाम की दो बार मुठ मारते हुए माल निकाल दिया।

इसी तरह दिन पर दिन मैं उनकी तरफ आकर्षित होता चला गया। यूँ कहिए कि मुझे उनसे प्यार हो गया था।

जब वह रसोई में रोटी बनातीं.. तो मैं किसी बहाने अन्दर चला जाता। उधर मेरी निगाहें उनके बदन को टटोलतीं.. उनका पूरा बदन गर्मी में पसीने से भीगा होता। मैं उनकी चुची को.. नाभि और रसीले होंठ देख कर वहीं कल्पना में डूब कर उन्हें देखता रहता।

मैं अपनी कल्पनाओं में कभी चाची के होंठों को चूसता.. तो कभी चुची में मुँह मारता तो कभी उनकी मदमस्त कर देने वाली नाभि को चाटता।

अब मुझको धीरे-धीरे यह लग रहा था कि चाची भी मेरी तरफ आकर्षित हो रही थीं। क्योंकि जब भी मैं उनके सामने जाता.. तो वह अपनी चुची जानबूझ कर दिखाती थीं।

मेरे चाचा सरकारी नौकरी करते हैं। वह साल में दो-तीन बार ही घर आ पाते हैं। इसलिए चाची अधिक चुदाई नहीं कर पाती थीं।

अब धीरे-धीरे चाची मुझसे घुलने-मिलने लगी थीं। हम दोनों के बीच मजाक के साथ छूने-



पकड़ने का मजाक भी चलने लगा था ।

चाची किचन में खाना बनातीं तो मैं चाची को पीछे पकड़ लेता, उनके पेट में हाथ डाल कर मसलता.. कभी उनके बालों को सूँघता.. जिससे मेरा लंड कड़ा होने लगता ।

चाची भी मेरी इन हरकतों का बुरा नहीं मानती थीं । शायद उनको भी अच्छा लगता होगा क्योंकि उनके शरीर को छूने वाला कोई नहीं था ।

जब वह नहा कर अपने कमरे में कपड़े बदलतीं तो मैं दबे पाँव चोरी-छिपे उनको देखता । चाची भी इस बात को समझ चुकी थीं, इसलिए वे भी अपने कामुक बदन को खूब मस्ती से दिखातीं.. लेकिन खुलेपन से नहीं ।

जब वह ऊपर के कमरे में अकेले लेट कर कुछ पढ़ रही होतीं.. तो मैं दौड़ कर जाकर उनके ऊपर सीने से सीना मिलाकर उनके ऊपर लेट जाता और उनकी चुची मेरे सीने से दब जातीं ।

मैं और चाची एकदम से हाँफने लगते, जिससे हम लोगों की साँसें मिल जाती और एक अजीब सी अहसास मिलता ।

वो मुझसे हटने को कहतीं लेकिन हम लोगों की आँखें एक-दूसरे को देखती रहतीं ।

इस तरह हम लोगों की हरकतें बढ़ती ही जा रही थीं ।

उस दिन करवा चौथ का दिन था.. ये चाची का दूसरा करवा चौथ था । सब पूजा की तैयारी कर रहे थे । तैयारी करने के बाद सब लेडीज कपड़े बदलने के लिए अपने-अपने कमरों में तैयार हो रही थीं ।

उसी वक्त मैं चाची के कमरे के बाहर से उनको छुप कर देख रहा था । उन्होंने देखा तो मैं बेधड़क उनके कमरे में घुस गया ।



चाची उस समय ब्रा पहन रही थीं.. मैं उनके सामने खड़ा हो गया। उन्होंने अपनी चुची ढक लीं और पीछे घूम गईं, मुझसे बोलीं- आप बाहर जाइए।  
मैं बोला- चाची.. मैं आपसे बहुत प्यार करता हूँ।

इतना कह कर मैं पीछे से उनकी कमर में हाथ डाल कर उनके पेट से लेकर चुची तक सहलाने लगा।

चाची ने इसका कोई विरोध नहीं किया क्योंकि उनको भी चुदाई की जरूरत थी। मैं समझ गया कि आज चाची की चुत चोदने को मिलेगी।

मैंने उसी समय उनको अपनी तरफ किया और उनके होंठ से होंठ लगा दिए।  
तभी नीचे से आवाज आई- पूजा का समय हो गया है।  
मैं झट से कमरे से बाहर निकला.. उधर चाची तैयार होने लगीं।

सभी लोग छत पर पूजा कर रहे थे.. मैं भी छत पर था। तभी चाची तैयार हो कर आई, तो मैं उन्हें देखता ही रह गया।

पिंक कलर की साड़ी और ब्लाउज जिसमें अन्दर से चाची की काली ब्रा साफ दिखाई दे रही थी। चाची का ब्लाउज इतना कसा था कि मेरा तो लंड वहीं खड़ा हो गया।

गहरी लाल लिपस्टिक और बालों में सफ़ेद गजरा.. आह.. चाची एकदम कयामत लग रही थीं।

सभी लोग पूजा करने लगे.. चाचा तो थे नहीं, सो चाची ने उनकी फोटो रखकर पूजा की। सभी लोग पूजा करके जाने लगे, लेकिन चाची नीचे नहीं गईं क्योंकि वे कुछ देर से आई थीं।



सब नीचे चले गए.. छत पर मैं और चाची बचे थे। चाची पूजा कर रही थीं.. मैं चाचा की फोटो के सामने खड़ा हो गया।

चाची भी समझ गईं.. चाची ने चाँद देखा उसके बाद छलनी में से मुझे देखा। फिर मैंने चाची को पानी पिलाया और उनका व्रत तोड़ा। इसके बाद मैंने उन्हें अपने गले से लगाया।

अब हम लोग नीचे आ गए। सब लोगों का खाना हुआ.. खाने के बाद सोने चले गए। चाची ऊपर कमरे में सोने गईं, तो मैं भी पढ़ने के बहाने ऊपर चला आया।

अब ऊपर मैं और चाची थे। मैं चाची के कमरे में घुस गया, चाची ने दरवाजा बंद कर लिया, अब चाची कपड़े उतारने जा रही थीं।

मैं उनके करीब गया और चाची से बोला- आपने आज मेरी पूजा की है.. आज से मैं आपका पति हुआ और आप मेरी पत्नी हुईं।

मैंने चाची को बिस्तर पर बैठाया और खुद बैठा.. चाची एकदम दुल्हन की तरह बैठी थीं।

मैंने सबसे पहले चाची के सारे गहने उतारे और उनकी छाती से पल्लू हटा कर उनको सीधा लिटा दिया।

अब उनकी कसी चूचियों को देख मेरा लंड खड़ा हो गया। मैं उनकी चूचियों की घाटी में अपना मुँह लगा कर उनकी चूचियों को रगड़े और सूंघे जा रहा था।

चाची भी इस सबका आनन्द ले रही थीं।

फिर मैंने करीब आठ-दस मिनट चाची के होंठों को चूसा.. और उनके होंठों को चूसते हुए मेरा एक हाथ रेंगते हुए उनके एक स्तन को मसलने लगा।

कुछ मिनट के बाद हम दोनों अलग हुए और एक-दूसरे को वासना से देखने लगे। मैंने उनके



शरीर से साड़ी को उतार दिया। वो खुद ब्लाउज उतारने लगीं, तो मैं बोला- मैं आपकी बगलों के बाल देखना चाहता हूँ।

चाची ने शरमाते हुए अपने हाथों को उठाया.. तो देखा कि बाल एकदम साफ थे। उनके गोरे शरीर पर काली ब्रा चाची की चुची को ढके हुए थी। मैंने उनके शरीर से उसे भी उतार दिया।

कसी हुए चुची को मैं एक मिनट तक चूसता रहा और चाची मेरे सिर के बालों में अपना हाथ फेरती रहीं।

यह हिंदी सेक्स स्टोरी आप अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं!

चाची अपने मुँह से 'सी..सी.. उम्ह... अहह... हय... याह...' की आवाज़ें करने लगीं और अपने होंठों को दांतों से दबाते हुए मचलने लगीं।

इसी दौरान मैंने उनके पेटिकोट का नाड़ा खोलकर पेटिकोट को भी उतार दिया। अब उनके शरीर पर सिर्फ पेंटी थी, जो चाची की गुलाबी चुत को ढके हुए थी।





**Antarvasna  
Sex Stories**



मैंने देर न करते हुए उनकी पेंटी को उतारा और चाची की फूली हुई फुद्दी के दीदार करने लगा। फिर मैं उनकी जांघ से चुत तक जीभ से चाटते हुए पहुँचा। जैसे ही मैंने अपनी जुबान से उनकी चुत के दाने को छुआ.. तो वो 'सी..सी.. सी.. आह..आह..' करते हुए तिलमिला उठीं और अपने दोनों हाथों से तकिये को पकड़ कर मचलने लगीं।

मैं पूरी शिद्दत से चाची की चुत चाटने में लग गया। मैं अपने होंठों से उनकी चुत की फाँकों को दबाता, काटता और फिर चूसता। इस कारण से वो जोर-जोर से अपनी चुत अपनी कमर उचकाते हुए मेरे मुँह पर रगड़ने लगीं। मैं भी बड़े प्यार से चाटते हुए उनकी चुत को अपनी जुबान से चोदने लगा।

थोड़ी देर के बाद उनकी चुत अब पानी छोड़ने लगी थी। उनका नमकीन-नमकीन सा टेस्ट मुझे और भी नशा दे रहा था। उसके बाद चाची हाँफते हुए लेट गई, मैं भी उनके बगल में ही लेट गया।

फिर चाची में मेरे ऊपर आकर मेरे होंठों को चूमते हुए बोला- रवि, जिंदगी में पहली बार किसी ने मेरी चुत चाटी.. तुम्हारे चाचा साल में दो-तीन बार ही चुदाई करते हैं.. इसलिए मैं प्यासी रहती हूँ।

चाची ने मेरे होंठ चूसे और नीचे आ कर मेरे लंड को गप्प से अपने मुँह में लेकर चूसने लगीं। वो तो मेरे लंड को इस तरह चूस रही थीं, जैसे वो मेरे लंड को खाने के मूड में हों।

वे लंड की चमड़ी को खींचतीं और लंड के टोपे को अपनी जुबान से बड़े स्वाद से चाटतीं। ऐसे लग रहा था जैसे तो वो कोई लंड नहीं लॉलीपॉप चूस रही हों।

थोड़ी देर के बाद मैंने लंड रस उनके मुँह में छोड़ दिया। हम दोनों शिथिल पड़े रहे।



कुछ देर बाद चाची फिर से मेरा लंड सहलाने लगीं। मैं भी उनकी बेकरारी को समझते हुए अपना लंड उनकी चुत के मुँह पर ले जाकर रगड़ने लगा।

अब वो और भी मचल गई और लंड को अपनी चुत में डालने के लिए कहने लगीं। मैंने चाची की टांगों को चौड़ा किया और लंड को उनकी चुत के मुँह पर टिका कर एक जोर से धक्का दे दिया।

एक मधुर आवाज़ के साथ मेरा लंड चाची की चुत के अन्दर घुस गया। चूँकि चाची बहुत दिनों के बाद चुदवा रही थीं.. तो दर्द के कारण उनके मुख से चिल्लाने की आवाज़ निकल गई। वो तो शुक्र था कि उस समय वहाँ कोई नहीं था।

फिर थोड़ी देर मैं उनके बोंबों को सहलाता रहा और उन्हें चूमता रहा। जब उनका दर्द कम हुआ तो फिर दूसरे धक्के में मैंने अपना लंड पूरा उनकी चुत में उतार दिया, लेकिन अबकी बार चाची ने अपना मुँह भींच लिया।

फिर मैं अपने लंड को अन्दर-बाहर, अन्दर-बाहर करने लगा। थोड़ी देर के बाद चाची भी अपनी कमर उचकाते हुए लंड को पूरी तरह अपनी चुत में लेने लगीं।

अब मैं बड़े आराम से चाची की चुत चोद रहा था और वो भी मस्ती में चुदवाते हुए अपने मुँह से 'उह्ह.. उह्ह.. उह्ह.. आह... मेरे रवि चोद.. चोद.. और जोर से चोद.. बहुत आग लगा रखी थी इसने.. आह.. उई मेरी माँ.. मर गई..'

ऐसा कहते हुए वो एक बार और झड़ गई। उस वजह से चुत में से 'फच्च.. फच्च..' की आवाज़ें हो रही थीं, लेकिन मैं चाची को चोदे जा रहा था।

चाची भी मजा लेकर, मस्त होकर बराबर अपनी कमर को उचका कर लंड के धक्के का जवाब, अपनी कमर उचका कर अपनी चुत से दे रही थीं।



फिर एकदम से मैंने अपने लंड को बाहर निकाला और उन्हें बिस्तर के किनारे झुका कर चोदने लगा। आगे हाथ करके मैं चाची के दोनों बोंबों को मसल रहा था और नीचे से मेरा लंड उनकी चुत चोद रहा था।

चाची मजे में चुदते हुए तान छोड़ रही थीं- हूह.. हाय.. हाय.. आह.. आह.. और चोदो.. आह.. आह.. आह..

अब मैं भी लास्ट स्टेज पर पहुँच गया था, मैं बोला- चाची मेरा पानी छूटने वाला है.. अन्दर छोड़ूँ या फिर बाहर ?

चाची बोलीं- रवि, अपना पानी अन्दर ही छोड़ो।

मैंने उनको सीधा किया.. लंड उनकी चुत में डाल कर जोर-जोर से शॉट मारने लगा।

लगभग पांच मिनट के बाद मेरे लंड ने पानी छोड़ दिया और हम दोनों एक-दूसरे से चिपक कर हाँफने लगे.. मानो जैसे कई किलोमीटर दौड़ लगा कर आए हों।

पसीने से लथपथ दोनों लोगों के जिस्म चिपके हुए थे और हम दोनों 5 मिनट ऐसे पड़े रहे।

मेरा लंड अपने आप ही सिकुड़ कर चुत के बाहर आ गया, मेरे लंड में सफ़ेद माल लगा था।

हम लोग बातें करने लगे, मैं बोला- चाची, मैं आपसे बहुत प्यार करता हूँ।

चाची ने भी बोला- मैं भी !

मैं बोला- आज से आपका अकेलापन मैं दूर करूँगा।

फिर चाची मेरे होंठों को चूसने लगीं और लंड भी सहलाने लगीं। हम लोगों ने पूरी रात में 3 बार चुदाई की.. उसके बाद हम लोगों का ये सिलसिला चलता रहा।

जब चाची किचन में खाना बनातीं.. तो मैं अन्दर जाकर मौका देख कर उनसे ओरल सेक्स



करता हूँ। कभी उनसे अपना लंड चुसवाता हूँ, कभी उनकी साड़ी उठा कर उनकी चुत चूस लेता हूँ।

उसके बाद मैं चाची के कमरे में सोने लगा.. जब भी उनका या मेरा मन करता तो हम दोनों बेहिचक संभोग करते। कई बार तो मैंने चाची को सेक्सी वीडियो दिखा कर चुदाई किया।

इसके बाद तो मैंने एक बार उनके मायके में जाकर उनकी सौतेली माँ के साथ भी संभोग किया। उनके पिताजी दूसरी शादी करके इन वाली मम्मी को घर में लाए हैं, पर उनके बूढ़े लंड में इतनी जान कहाँ.. जो नई मम्मी की चुत की आग को बुझा पाते।

मैं इसको दूसरी कहानी में लिखूँगा। मुझे मेरी इस सेक्स स्टोरी पर आपके ईमेल का इन्तजार रहेगा।

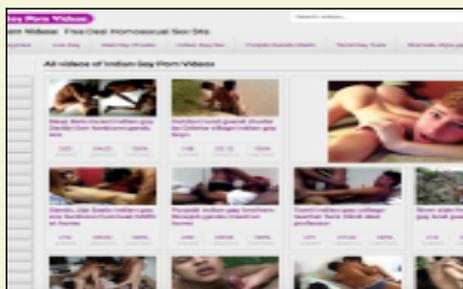
rockr9840@gmail.com





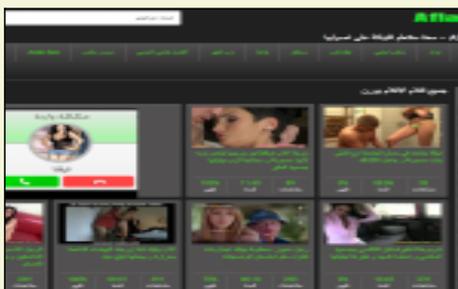
## Other sites in IPE

### Indian Gay Porn Videos



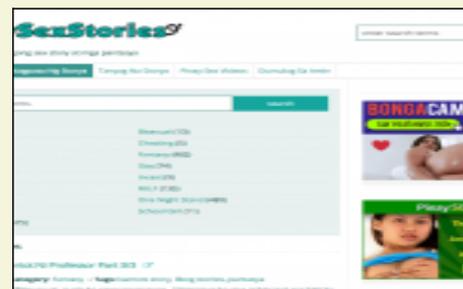
**URL:** [www.indiangaypornvideos.com](http://www.indiangaypornvideos.com)  
**Average traffic per day:** 10 000 GA sessions  
**Site language:** English  
**Site type:** Video  
**Target country:** India  
 Welcome to the world of gay porn where you will mostly find Indian gay guys enjoying each other's bodies either openly for money or behind their family's back for fun.

### Aflam Porn



**URL:** [www.aflamporn.com](http://www.aflamporn.com)  
**Average traffic per day:** 270 000 GA sessions  
**Site language:** Arabic  
**Site type:** Video  
**Target country:** Arab countries  
 Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site is intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

### Pinay Sex Stories



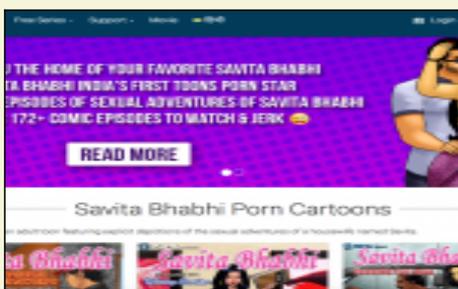
**URL:** [www.pinaysexstories.com](http://www.pinaysexstories.com)  
**Average traffic per day:** 18 000 GA sessions  
**Site language:** Filipino  
**Site type:** Story  
**Target country:** Philippines  
 Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.

### Wahed



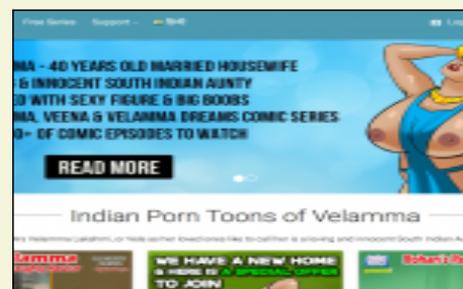
**URL:** [www.wahedsex.com/](http://www.wahedsex.com/)  
**Average traffic per day:** 80 000 GA sessions  
**Site language:** Arabic  
**Site type:** Story  
**Target country:** Arab countries  
 The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.

### Kirtu



**URL:** [www.kirtu.com](http://www.kirtu.com)  
**Site language:** English, Hindi  
**Site type:** Comic / pay site  
**Target country:** India  
 Kirtu.com is the only website in the world with authentic and original adult Indian toons. It started with the very popular Savita Bhabhi who became a worldwide sensation in just a few short months.

### Velamma



**URL:** [www.velamma.com](http://www.velamma.com)  
**Site language:** English, Hindi  
**Site type:** Comic / pay site  
**Target country:** India  
 Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However like most of the woman in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!